दैनिक भास्कर बुरहानपुर 12-02-2025

कार्यान्वियन समिति की बैठक में नेपा मिल मुख्य महाप्रबंधक बोले- हिंदी भाषा में अपनापन

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में उपस्थित अफसर, कर्मचारी।

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

राजभाषा हिंदी दिलों को जोड़ने वाली भाषा हैं। मैं नेपानगर आने से पहले हिन्दी लिख और पढ़ नहीं सकता था, लेकिन यह हिंदी का अपनापन ही है कि जिसने मुझ जैसे दक्षिण भारतीय परिवेश में पले और बढ़े व्यक्ति को भी हिंदी में अपने विचारों को व्यक्त करने में सक्षम बना दिया। यह भावनाओं के आदान-प्रदान करने का सुंदर माध्यम है। यह बात नेपा मिल के मुख्य महाप्रबंधक कार्य आर अलागेशन ने हर 6 माह में होने वाली राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा- हम सबने राजभाषा का अधिक से अधिक उपयोग कर इसके प्रचार-प्रसार में अपना योगदान देना चाहिए। नेपा मिल सभागार में समिति की 2024-25 की अर्द्धवार्षिक बैठक हुई। राम अलागेशा, विशिष्ट अतिथि निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक और सचिव महेंद्र केशरी सहित केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के आमंत्रित प्रतिनिधियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया गया। विशिष्ट अतिथि निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक ने कहा- मेरी मातृभाषा उड़िया होने के बावजूद जबसे मैंने मप्र में कार्य दायित्व संभाला हैं, मैं बहुत सहज रूप से हिंदी में अपनी भावनाएं व्यक्त कर लेता हूं। शैक्षणिक जीवन में मैंने कभी भी हिंदी पढ़ी या लिखी नहीं थी, लेकिन, हिंदी की सरलता ने मुझे इसके उपयोग करने के लिए आत्मविश्वास जगाया। सचिव महेंद्र केशरी ने राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार को प्रस्तुत किए जाने वाली समीक्षा का वाचन किया। सभी से कार्यालयीन पत्राचार में अधिक से अधिक राजभाषा के उपयोग के लिए आह्वान किया। जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया समिति की प्रत्येक 6 माह में समीक्षा बैठक आयोजित होती है। स्टेशन प्रबंधक आशाराम नागवंशी ने कहा हमारी राजभाषा हिंदी दिन प्रतिदिन प्रगति कर रही हैं। इस दौरान उप महाप्रबंधक कार्य सुरेंद्र मेहता, वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, प्रबंधक विद्युत किशोर महाजन, प्रबंधक वाणिज्य राजेंद्र जाधव, प्रबंधक सिविल प्रशांत कुमार बैथालू, प्रबंधक सतर्कता संजीव कानड़े, बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक राहुल अरोरा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

कानूनी दस्तावेजों में हो हिंदी का उपयोग

भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधक जिनेंद्र अहिरवार ने कहा- भारतीय स्टेट बैंक में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन व्यावहारिक रूप से जब भी कोई कार्यालयीन मामला कानूनी दांवपेंच में फंसता हैं तब न्यायालय में हिन्दी की बजाए अंग्रेजी भाषा को प्राथमिकता दी जाती है। यहां तक कि कानूनी दस्तावेजों की भाषा भी अंग्रेजी होती हैं। इसलिए इसका समुचित निदान करवाएं। इसके जवाब में सचिव केशरी ने कहा यह मामला राजभाषा विभाग के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जाएगा। सहायक प्रबंधक विपणन प्रशांत सोनी और भारतीय डाक विभाग की मनीषा चौधरी ने भी हिंदी के महत्व और आज के संदर्भ में हिंदी की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए।

स्वदेश

खंडवा - मुख्य संस्करण

Date 12 Feb 2025

नगर राजभाषा समिति की बैठक में भाषा के विकास पर मंथन

स्वदेश समाचार ■ नेपानगर

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) नेपानगर की वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय अर्धवार्षिक बैठक सोमवार को नेपा लिमिटेड के सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नेपा लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (कार्य) एवं नराकास के अध्यक्ष राम अलागेसन ने की। बैठक के दौरान हिंदी भाषा के अधिकाधिक उपयोग और उसके प्रचार-प्रसार को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया गया।

बैठक की शुरुआत में अध्यक्ष राम अलागेसन, विशिष्ट अतिथि निदेशक (वित्त) प्रदीप कुमार नाइक और सचिव महेंद्र केशरी सहित विभिन्न विभागों के आमंत्रित प्रतिनिधियों ने मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में राम अलागेसन ने हिंदी भाषा की भावनात्मक शक्ति को रेखांकित करते हुए कहा, हिंदी दिलों को जोड़ने वाली भाषा है। उन्होंने राजभाषा के अधिकतम उपयोग का आह्वान किया।

हिंदी की प्रगति और चुनौतियां

स्टेशन प्रबंधक आशाराम नागवंशी ने कहा कि, हिंदी दिन-प्रतिदिन प्रगति कर रही है, जिसका प्रमाण यह है कि दक्षिण भारतीय फिल्मों का हिंदी में अनुवाद बड़ी संख्या में हो रहा है। वहीं, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधक जिनेंद्र अहिरवार ने ध्यान आकर्षित किया कि न्यायालयीन मामलों में हिंदी की बजाय अंग्रेजी को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे हिंदी के व्यापक उपयोग में बाधा आती है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह विषय उचित मंच पर उठाया जाए। इसके प्रत्युत्तर में महेंद्र केशरी ने इस मुद्दे को राजभाषा विभाग के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाने का आश्वासन दिया। अन्य वक्ताओं में सहायक प्रबंधक (विपणन) प्रशांत सोनी और भारतीय डाक विभाग की मनीषा चौधरी ने भी हिंदी की महत्ता और इसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए।

विशिष्ट अतिथि प्रदीप कु मार नाइक ने कहा कि, उनकी मातृभाषा उड़िया होने के बावजूद हिंदी की सरलता ने उन्हें आत्मविश्वास के साथ इसे अपनाने में सहायता की है। उन्होंने हिंदी को एक व्यवहारिक और सहज संवाद का माध्यम बताया।

राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक उपयोग पर जोर

नराकास के सचिव महेंद्र केशरी ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय को प्रस्तुत की जाने वाली समीक्षा का वाचन किया और सभी से कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकतम उपयोग का अनुरोध किया। जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य हिंदी भाषा को बढ़ावा देना और इसके प्रयोग को प्रोत्साहित करना है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय अर्ध वार्षिक बैठक में बोले अध्यक्ष

भावनाओं के आदान-प्रदान का सुंदर माध्यम है हिंदी भाषा

नईदुनिया संजय चौहान 9406689018

नईदुनिया न्यूज, नेपानगरः राजभाषा हिंदी दिलों को जोड़ने वाली भाषा है। नेपानगर आने से पहले मैं हिंदी लिख और पढ़ नहीं सकता था। यह हिंदी का अपनापन ही है जिसने मुझ जैसे दक्षिण भारतीय परिवेश में पले-बढ़े व्यक्ति को भी हिंदी में विचारों को व्यक्त करने में सक्षम बना दिया। यह भावनाओं के अदान-प्रदान का सुंदर माध्यम है। हम सबको राजभाषा का अधिक से अधिक उपयोग कर इसके प्रचार-प्रसार में अपना योगदान देना चाहिए। यह बात मंगलवार को नेपा मिल के मुख्य महाप्रबंधक कार्य व नराकास के अध्यक्ष राम अलागेसन ने नेपा लिमिटेड में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय अर्ध वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कही।

विशिष्ट अतिथि निदेशक (वित्त) प्रदीप नाइक ने कहा कि मेरी मातृभाषा उड़िया होने के बावजूद जबसे मैंने मध्यप्रदेश में कार्य दायित्व संभाला है, मैं बहुत सहज रूप से हिंदी में अपनी भावनाएं व्यक्त कर लेता हूं। शैक्षणिक जीवन में मैंने कभी-भी हिंदी पढ़ी य लिखी नहीं थी। हिंदी की सरलता ने ,मुझमें इसका उपयोग करने के लिए आत्म विश्वास जगाया।

नेपा लिमिटेड में राजभाषा के आयोजन में उपस्थित अधिकारी व कर्मचारी • नईदुनिया

समिति के सचिव महेंद्र केशरी ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार को प्रस्तुत की जाने वाली समीक्षा का वाचन किया और सभी को न केवल दैनिक जीवन में अपितु कार्यालयीन पत्राचार में अधिक से अधिक राजभाषा के उपयोग का आह्वा किया। स्टेशन प्रबंधक आशाराम नागवंशी ने कहा कि हमारी राजभाषा हिंदी दिन प्रतिदिन प्रगति कर रही है। हिंदी की उपयोगिता और महत्व को सिनेमा जगत ने भी सहर्ष स्वीकार किया है और उसी की परिणीति है कि बहुतायत में दक्षिण की फिल्में हिंदी में अनुवादित की जा रही हैं।

न्याय पालिका में भी हो हिन्दी का उपयोगः स्टेट बैंक के प्रबंधक जिनेंद्र अहिरवार ने समिति का ध्यानाकर्षित करते हुए कहा कि स्टेट बैंक हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, किंतु व्यावहारिक रूप से जब भी कोई कानूनी दावपेंच फंसता है तब न्यायालय में हिंदी की जगह अंग्रेजी भाषा को प्राथमिकता दी जाती है। यहां तक कि कानूनी दस्तावेजों की भाषा भी अंग्रेजी होती है। उन्होंने समिति से आग्रह किया कि वे उचित मंच पर इस बात को रखकर इसका समुचित निदान कराएं। महेंद्र केशरी ने यथाशीघ्र इस विषय को राजभाषा विभाग के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाने का आश्वासन दिया। सहायक प्रबंधक विपणन प्रशांत सोनी और डाक विभाग की मनीषा चौधरी ने भी हिंदी के महत्व को परिभाषित किया।

नेपा विधायक का ग्राम साईंखेड़ा कला में तुलादान

बुरहानपुरः नेपानगर विधानसभा के ग्राम साईंखेड़ा में मुंजा बाबा का मेला लगा हुआ है। क्षेत्रीय किसानों से मंगलवार को नेपानगर विधायक मंजू दादू द्वारा खेतों तक पहुंच मार्ग बनाने का वादा करने और उसे पूरा कराने पर लड्डुओं से तुलादान किया गया। इस अवसर पर विधायक मंजू दादू ने कहा कि विकास निरंतर चलने वाला चक्र है। मेरा पूरा प्रयास है कि विधानसभा अंतर्गत हर गांव में विकास हो। प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विकास के शेष कार्यों को और अधिक गति देकर पूर्ण कराया जाएगा।

पत्रिका

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

हिंदी में ही कामकाज निपटाने की सलाह, भावनाओं के आदान-प्रदान करने का सुंदर माध्यम

राजभाषा हिंदी दिलों को जोड़ने वाली भाषा : राम अलागेशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के सभागार में सोमवार को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति नेपानगर की वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय अर्धवार्षिक बैठक हुई। अध्यक्षता नेपा लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक कार्य व नराकास के अध्यक्ष राम अलागेसन ने की। बैठक की शुरुआत में अध्यक्ष राम अलागेसन, विशिष्ट अतिथि निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक और सचिव महेंद्र केशरी सहित केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के आमंत्रित प्रतिनिधियों द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन किया गया।

अध्यक्ष राम अलागेसन ने कहा कि राजभाषा हिंदी दिलों को जोडने वाली भाषा हैं। मैं नेपानगर आने से पहले हिंदी लिख और पढ़ नहीं सकता था किंतु यह हिंदी का अपनापन ही हैं कि जिसने मुझ जैसे दक्षिण भारतीय परिवेश पले बढ़े व्यक्ति को भी हिंदी में अपने विचारों को व्यक्त करने में सक्षम बना दिया। यह भावनाओं के आदान प्रदान करने का सुंदर माध्यम है। हम सबने राजभाषा का अधिक से अधिक उपयोग करके इसके प्रचार प्रसार में अपना योगदान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक ने कहा कि मेरी मातृभाषा उडिया होने के बावजूद जबसे मैंने मध्यप्रदेश में कार्यदायित्व संभाला हैं, मैं बहुत सहज रूप से हिंदी में अपनी भावनाएं व्यक्त कर लेता हूं। शैक्षणिक जीवन में मैंने कभी भी हिंदी

पढ़ी या लिखी नहीं थी लेकिन, हिंदी की सरलता ने मुझे इसके उपयोग करने के लिए आत्मविश्वास जगाया।

अधिक से अधिक करें हिंदी का उपयोग

सचिव महेंद्र केशरी ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार को प्रस्तुत किए जाने वाली समीक्षा का वाचन किया। सभी को न केवल दैनिक जीवन में अपितु कार्यालयीन पत्राचार आद में अधिक से अधिक राजभाषा के उपयोग के लिए आव्हान किया। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि राजभाषा विभाग केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा निर्देशन में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति प्रत्येक छह माह में समीक्षा बैठक आयोजित करती हैं जिसमें केंद्र सरकार के अधीन विभिन्न उपक्रमों और कार्यालयों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर राजभाषा के प्रचार प्रसार के लिए गति देने के लिए संकल्प लिया जाता हैं। बैठक का मुख्य राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देना है। उप महाप्रबंधक कार्य सुरेंद्र मेहता, वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, प्रबंधक विद्युत किशोर महाजन, प्रबंधक वाणिज्य राजेंद्र जाधव, प्रबंधक सिविल प्रशांत कुमार बैथालू, बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक राहुल अरोरा, नेपा लिमिटेड चिकित्सालय के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार झंझडीवाल, डॉक्टर निशी गीर, केंद्रीय विद्यालय के हिंदी विभाग स्नातकोत्तर शिक्षक भगवतीलाल भील सहित संचालन सचिव महेंद्र केशरी ने किया। आभार जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने माना।

12/02/2025 | burahanpur | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

राजभाषा हिंदी दिलो को जोड़नेवाली भाषा हैं_ राम अलागेसन

मोहम्मद हुसैन खोकर

बुरहानपुर :- भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के सभागार में सोमवार को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) नेपानगर की वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय अर्धवार्षिक बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता नेपा लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक कार्य एवं नराकास के अध्यक्ष राम अलागेसन ने की। बैठक की शुरुआत में अध्यक्ष राम अलागेसन, विशिष्ट अतिथि निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक और सचिव महेंद्र केशरी सहित केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के आमंत्रित प्रतिनिधियों द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया गया। अध्यक्ष राम अलागेसन ने कहा कि राजभाषा हिंदी दिलो को जोड़नेवाली भाषा हैं। मैं नेपानगर आने से पहले हिन्दी लिख और पढ़ नहीं सकता था किंतु, यह हिंदी का अपनापन ही हैं कि जिसने मुझ जैसे दक्षिण भारतीय परिवेश पले बढ़े व्यक्ति को भी हिंदी में अपने विचारों को व्यक्त करने में सक्षम बना दिया। यह भावनाओं के आदान प्रदान करने का सुंदर माध्यम हैं। हम सबने राजभाषा का अधिक से अधिक उपयोग करके इसके प्रचार प्रसार में अपना योगदान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक ने कहा कि मेरी मातृभाषा उड़िया होने के बावजूद जबसे मैने मध्यप्रदेश में कार्यदायित्व संभाला हैं, मैं बहुत सहज रूप से हिंदी में अपनी भावनाएं व्यक्त कर लेता हूं। शैक्षणिक जीवन में मैने कभी भी हिंदी पढ़ी या लिखी नहीं थी लेकिन, हिंदी की सरलता ने मुझे इसके उपयोग करने के लिए आत्मविश्वास जगाया। नराकास के सचिव महेंद्र केशरी ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार को प्रस्तुत किए जाने वाली समीक्षा का वाचन किया तथा सभी को न केवल दैनिक जीवन में अपितु, कार्यालयीन पत्राचार इत्यादि में अधिक से अधिक राजभाषा के उपयोग हेतु आव्हान किया। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि राजभाषा विभाग, केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा निर्देशन में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति प्रत्येक छः माह में समीक्षा बैठक आयोजित करती हैं जिसमें नगर में स्थित केंद्र सरकार के अधीन विभिन्न उपक्रमों और कार्यालयों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर राजभाषा के प्रचार प्रसार हेतु गति देने के लिए संकल्प लिया जाता हैं। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देना और इसके प्रयोग को प्रोत्साहित करना होता हैं। बैठक में स्टेशन प्रबंधक आशाराम नागवंशी ने कहा कि हमारी राजभाषा हिंदी दिन प्रतिदिन प्रगति कर रही हैं। हिंदी की उपयोगिता और महत्व को सिनेमा जगत ने भी सहर्ष स्वीकार किया है और उसी की परिणीति हैं कि बहुतायत में दक्षिण की फिल्में हिंदी में अनुवादित की जा रही हैं। भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधक जिनेंद्र अहिरवार ने समिति का ध्यानाकर्षित करते हुए कहा कि हम भारतीय स्टेट बैंक में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं किंतु, व्यावहारिक रूप से जब भी कोई कार्यालयीन

मामला कानूनी दांवपेंच में फंसता हैं तब न्यायालय में हिन्दी की बजाय अंग्रेजी भाषा को प्राथमिकता दी जाती हैं यहां तक कि कानूनी दस्तावेजों की भाषा भी अंग्रेजी होती हैं अत: मेरा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति से आग्रह है कि वे उचित मंच पर इस बात को रखकर इसका समुचित निदान करवाएं। प्रत्युत्तर में सचिव महेंद्र केशरी ने यथाशीघ्र इस विषय को राजभाषा विभाग के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर सहायक प्रबंधक विपणन प्रशांत सोनी और भारतीय डाक विभाग की मनीषा चौधरी ने भी हिंदी के महत्व और आज के संदर्भ में हिंदी की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए।इस दौरान उप महाप्रबंधक कार्य सुरेंद्र मेहता, वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, प्रबंधक विद्युत किशोर महाजन, प्रबंधक वाणिज्य राजेंद्र जाधव, प्रबंधक सिविल प्रशांत कुमार बैथालू, प्रबंधक सतर्कता संजीव कानड़े, बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक राहुल अरोरा, नेपा लिमिटेड चिकित्सालय के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल कुमार झंझडीवाल, डॉक्टर निशी गीर, केंद्रीय विद्यालय के हिन्दी विभाग के स्नातकोत्तर शिक्षक भगवतीलाल भील, मुख्य डाक घर की प्रतिनिधि दीपिका शैलेकर, उप प्रबंधक वित्त सीएन वर्मा, उप प्रबंधक पावर हाउस सुधीर पटले, उप प्रबंधक पावर हाउस स्वतंत्र कसेरा, सहायक प्रबंधक डी.आई.पी. देवेंद्र महोवे, सहायक विधि अधिकारी दीपक ठाकुर, दिनेश सोवले, राकेश स्वामी, अग्निशमन अधिकारी उदेश नकुल, रामविलास रघुवंशी, डीपी मिश्रा, मणिलाल पाटिल, सुषमा गौर, अदिति मतलाने सहित नेपा लिमिटेड और केंद्र सरकार के अन्य विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन नराकास के सचिव महेंद्र केशरी ने किया और आभार जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने माना।